III Semester B.Com. Examination, November/December 2014
(2014-15 & Onwards) (Semester Scheme) (Fresh)
HINDI LANGUAGE (Paper – III)
Natak, Nibandh, Sankshiptikaran

Time : 3 Hours Max. Marks : 100

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या वाक्यांश या एक वाक्य में लिखिए : **(10×1 = 10)**

1) यमराज के कुत्तों का नाम क्या है ?

2) जीवात्मा –1 का नाम क्या था ?

3) सभी जीवात्माओं को कौन दण्ड दे रहे थे ?

4) इक्षारस पीकर कौन बडा हुआ था ?

5) बृहद्रथ किसको ध्रुवस्वामिनी बनाने का प्रलोभन देता है ?

6) किसे पराजित कर सम्राट चन्द्रगुप्त ने विजय दुंदुभी बजाई थी ?

7) कौटिल्य ने कौन-सा शास्त्र लिखा था ?

8) इन्द्र किस पर आरूढ़ होकर यमलोक पधारे थे ?

9) स्वर्ग जाने से कौन इन्कार कर देते है ?

10) 'वैतरणी के पार' नाटक के नाटककार कौन है ?

II. किन्हीं **तीन** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **(3×8 = 24)**

1) लोगों की हत्या करते समय तुम्हारे ध्यान में नहीं आया कि तुम भी किसी के पत्नी –पुत्रों को मार रहे हो ?

2) मेरे पति जो मुझसे पहले ही चल बसे, उन्होने मुझसे कहा था कि यहाँ मेरी प्रतीक्षा करते रहेंगे ।

3) विद्वत्ता, ज्ञान किसी की अपनी सम्पदा नहीं होती है। उसका निरंतर प्रसरण होते रहना चाहिए ।

4) मेरे देश की रक्षा के लिए महामानव नही केवल मानव चाहिए ।

5) प्रभु मर्त्यलोक में इस समय कोई नाटककार मधुमती भूमिका में पहुँचकर एक धीरोदात्त नायक की रचना कर रहा है ।

P.T.O.

III. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **(2×16 = 32)**

1) 'वैतरणी के पार' नाटक का सारांश लिखकर उसके उद्धेश्य को स्पष्ट कीजिए ।

2) यमराज सभी जीवात्माओं का दण्डविधान किस प्रकार करते हैं ? विस्तार से लिखिए ।

3) यमराज तथा चित्रगुप्त जीवात्मा – 7 को उसकी गलतियों का एहसास दिलाने का प्रयास किस प्रकार करते हैं ?

IV. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : **(2×7 = 14)**

1) जीवात्मा – 4 ।

2) महात्मा ।

3) श्रीपति-सती प्रसंग ।

V. किसी **एक** पर निबंध लिखिए : **(1×10 = 10)**

1) बीमा ।

2) सहकारिता ।

VI. उचित शीर्षक देते हुए संक्षिप्तीकरण कीजिए : **(1×10 = 10)**

भारत के अधिकांश रहनेवालों की एक खास आदत है कि पेट का थोडा सा इन्तजाम हो जाने पर वे फिर आमदनी बढ़ाने की कोशिश नहीं करते। उनका जीवन बहुत ही सरल और सादा होता है। वे अपने कष्टों को बहुत कुछ सह लेते है। इन सब बातों की वजह से उनके रहन-सहन का दर्जा भी बहुत नीचा होता है। वे आधा पेट खाकर दिन बिताते हैं। आप पूछ सकते हैं कि क्या भारत में भोजन की कमी है ? यह ऐसा सवाल है जिसके ऊपर भिन्न-भिन्न लोगों के विचार एक से नहीं है। मालथस नामक एक अंग्रेज अर्थशास्त्री का कथन है कि जनसंख्या भोजन की जीज़ों से कहीं अधिक तेजी से बढ़ती है। भारत में जनसख्या की बहुत ज्यादा वृद्धि होने के कारण जनसंख्या के एक भाग को एक वक्त भी पेट भर भोजन नहीं मिलता।